दूत का संदेश

प्रभू के दूत ने मरियम को संदेश दिया
और वह पवित्र आत्मा से गर्भवती हुई। (प्रणाम मरियम)
देखिए में प्रभू की दासी हूँ।
आपका कथन मुझ में पूरा हो। (प्रणाम मरियम)
और शब्द देह बना
और हमारे बीच में रहा। (प्रणाम मरियम)
हे परमेश्वर की पवित्र जननी, हमारे लिये प्रार्थना करें।
कि हम खीस्त की प्रतिज्ञाओं के योग्य बनें।

हम प्रार्थना करें : हे प्रभु, हमने स्वर्गदूत के संदेश द्वारा आपके पुत्र येसु खिस्त का देहधारण जाना है हमारी प्रार्थना सुनिए अपनी कृपा हमारी आत्माओं को प्रदान कीजिए, कि हम उन्हीं खीस्त के दुःखभोग और कूस के द्वारा, पुरुत्थान की महिमा तक पहुँच सकें, हमारे प्रभु येसु खीस्त के द्वारा। आमेन।

विश्वास की विनति

हे मेरे ईश्वर, मैं सब सचाईयों पर दृढ़ विश्वास करता हूँ, जो काथलिक कलीसिया मानती और सिखलाती है, क्योंकि तू ने उन सचाइयों को प्रकट किया है, जो न ठगता और न ठगा जा सकता है। मैं इसी विश्वास में जीना और मरना चाहता हूँ। आमेन।

भरोसे की विनती

हे मेरे ईश्वर, मैं भरोसा रखता हूँ कि हमारे प्रभु मुक्तिदाता येसु खीस्त के पुण्य की खातिर तू मुझे पाप की क्षमा, कृपा की सहायता और अनंत जीवन देगा। मैं इसी भरोसे में जीना और मरना चाहता हूँ। आमेन।

प्रेम की विनती

मेरे ईश्वर, मैं तुझको सारे हृदय से, सब जीवों से बढ़ कर प्यार करता हूँ क्योंकि तू असीम भला और गुणमय है। मैं तेरे प्यार की खातिर, अपने पड़ौसियों को अपने समान प्यार करता हूँ। मैं अपने अपराधियों को क्षमा करता हूँ और अपने अपराधों के लिए क्षमा मांगता हूँ। मैं इस प्रेम में जीना और मरना चाहता हूँ। आमेन।

पछतावे की विनती

हे मेरे ईश्वर, मैं दिल से उदास हूँ कि मैंने तेरी असीम भलाई और महिमा के विरुद्ध अपराध किया है। मैं अपने सब पापों से बैर और घृणा करता हूँ, क्योंकि मेरे ईश्वर तू, मेरे पूरे प्रेम के अति योग्य है, पर मेरे पापों से नाराज हो जाता है। मैं यह दृढ़ संकल्प करता हूँ कि तेरी पवित्र कृपा से, तेरा अपराध फिर कभी नहीं करुँगा, किन्तु पाप के खतरों से दूर रहूँगा। आमेन।

प्रणाम रानी

प्रणाम रानी, दया की माँ। हमारा जीवन, हमारा आनंद और आशा, आपको प्रणाम। हम देवा की निर्वासित संतान, आपको दुहाई देते हैं। हम इस दुःखपूर्ण संसार में रोते और विलाप करते हुए आपका नाम लेते है। हे हमारी माता, कृपया हम पर दया–दृष्टि करें और हमारे इस निर्वासन के बाद, अपने गर्भ के पवित्र फल येसु को हमें दिखाएँ। हे दयामयी, हे प्रेम मयी, हे स्नेह मयी कुंवारी मरियम। आमेन।

याद करें

याद करें, हे सबसे प्यारा, दयाबन्त कुंवारी मरियम, कि ऐसा कभी न हुआ कि जो आपकी शरण आया, आपकी मदद माँगी और आपका पल्ला पकड़ा, वह निराश हुआ। इस भरोसे पर हे मेरी माता, कुंवारियों में श्रेष्ठ कुंवारी, मैं आपकी शरण आता हूँ। मैं पश्चापाती आपके पास आता और आपक सामने खड़ा रहता हूँ। हे ईश्वरीय वचन की माता, मेरी विनती मत ठुकराइए किन्तु दया करके मेरी विनती सुनकर मेरा निवेदन पूरा करें। आमेन।

धन्यवाद की विनती

मेरे भगवन् । मैं विश्वास करता हूँ कि आप यहाँ उपस्थित है।
मैं सारे हृदय से आपकी आराधना करता हूँ, आपको प्यार करता हूँ।
मैं धन्यवाद देता हूँ कि आपने मेरी सृष्टि की है, अपने पुत्र की मृत्यु से मेरी मुक्ति की है
और पवित्र आत्मा की कृपा से मुझे पवित्र किया है।
आपकी दया ने पिछली रात मेरी रक्षा की और यह नया दिन देखने का सौभाग्य प्रदान किया है।
मैं इनके लिए तथा भविष्य में मिलने वाले सभी दानों के लिए, आपको बड़ी दीनतापूर्वक धन्यवाद देता हूँ।
मैं आपसे नम्र निवेदन करता हूँ कि आज मुझको सभी पापों से बचाएँ, और हम बात में अपनी पवित्रतम इच्छा जानने तथा पूरी करने के लिए मुझे प्रकाश तथा बल प्रदान करें। आमेन।

MORNING PRAYER

In the name of the Father, and of the Son and of the Holy spirit - Amen.

THE ANGELUS

The angle of the Lord declared unto Mary, and she conceived by the Holy Spirit - Hail Mary .....
Behold the handmaid of the Lord : be it done unto me according to your word
Hail Mary ....
The word was made flesh : and dwelt among us. Hail Mary .....
Pray for us, O Holy Mother of God : That we may be made worthy of the promises of Christ.
Let us Pray Pour forth we beseech you, O Lord, your grace into our hearts, that we to whom the incarnation of Christ your Son, was made known by the message of an angel, may by his passion and cross be brought to the glory of his resurrection. Through the same Christ our Lord. Amen.

ACT OF FAITH

O my God, I firmly believe that you are one God in three Divine persons, the Father, the Son, and the Holy Spirit I Believe in Jesus Christ, your Son, who became man and died for our sins, and who will come to judge the living and the dead. I believe these and all the truths which the holy Catholic Church, teaches because you have revealed them, who can neither deceive nor be deceived. Lord increase my faith Amen.

ACT OF HOPE

O my God, trusting in your infinite goodness and promises, I have to obtain pardon of my sins, the helps of your grace, and life everlasting, thru the merits of Jesus Christ; my Lord and Redeemer. Lord, may I live with you for ever and ever Amen.

ACT OF CHARITY

O my God, I love you above all things, with my whole heart and soul because you are all-good and worthy of all my love. I love my neighbour as myself for love of you. I forgive all who have injured me, and I ask pardon of all whom I have injured. Lord, may I love you more and more. Amen.

ACT OF CONTRITION

O, my God, I am sorry for my sins with all my heart, because by sinning I have deserved your punishment; but, much more, I am sorry because I have offended you who are infinitely good and worthy to be, loved above all things. With your help, I intend never to offend you again and to avoid whatever leads me to sin. Lord have mercy and forgive me. Amen.

MORNING OFFERING

O my God, I adore you, and I love you with all my heart I thank you for having created me and saved me by your grace and for having preserved me during the night . I offer you all my prayers, works, joys and sufferings of this day. Grant that they may be all according to your will and for your greater glory. Keep me from all sins and evil, And may your grace be with me always and with those I love Amen.

PRAYER TO THE HOLY SPIRIT:

Come holy Spirit I need Three,
Come sweet spirit, I pray,
Come in Thy strength and Thy power
Come in Thine own gentle way.

Come as the wisdom to children
Come as new sight for the blind,
Come Lord, as strength to my weakness
Take me, soul, body and mind

Come like a spring in the desert
Come to the wearied of soul,
Lord, let Thy sweet healing power,
Touch me and make me whole.

Come, Lord, as rest to the weary
Come as a balm for the Sore,
Come as the dew to my dryness,
Fill me with joy evermore.

Soul of my Saviour

Soul of my saviour, sanctify my breast !
Body of Christ, Be thou my saving guest !
Blood of my saviour, bathe me in Thy Tide!
Wash me, ye waters, gushing from His side!

Strength and protection, may his passion be!
O blessed Jesus, hear and answer me !
Deep in thy wounds, Lord, hide and shelter me
So shall I never, never part from Thee.

Guard and defend me from the foe malign;
In deaths drear moments, make me only Thine;
Call me, and bid me, come to Thee on high,
Where I may praise Thee with thy Saints for Aye.